Pamphlet

कृपया सहयोग दें

~~जरावा खूंखार, बदमाश और न जाने किन - किन शब्दों मे इन्हे पुकारा जाता है परंतु वास्तविकता तो यह है~~ ~~कि~~ जरावा अपनी भूमि और अंग्रेजो के शासन काल मे जंगलो के कटाव से अपने को असुरक्षित मानते थे अत: लोगों से दूर रहकर अपने अस्तित्व को बचाने के लिए ~~आक्रामक~~ कोशिश किये ~~रुख अपनाए~~ हुए थे। आसपास के बस्तियों मे आकर अपने जरूरत की वस्तुएं ले जाना इनके लिए जुर्म नही है क्योंकि "यह मेरा सम्पति, वह आपका है" ऐसी ~~[illegible]~~ भावना इनमे नही है, बल्कि यह इनके सरल प्रकृति का प्रतिबिंब है।

याद रखिये एक समय यह संपूर्ण द्वीप ~~[illegible]~~ इन्ही लोगों की थी और बाहरी सभ्यता इनकी धरती पर मेहमान बनकर आये थे.. परंतु धीरे -2 उन्हे एक सीमीत क्षेत्र मे जंगलो मे समेट दिया गया। हम और आप की पीड़ा इन लोगों की पीड़ा से अधिक नही है!

हमारा संगठन इनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और हमारा प्रयास इस ओर निरंतर है। आइए इस महान कार्य मे आप हमे इस प्रकार सहयोग दें —

1. जरावा सदस्य की आसपास मे मौजूदगी मे आप न उनसे और न आपस मे भी अभद्र शब्दों का ~~[illegible]~~ प्रयोग या अभद्र व्यवहार न करें क्योंकि ये आपकी बातों और व्यवहार को बड़ी कुशलता से ग्रहण करता है और उसी प्रकार व्यवहार भी करता है।
2. यह भोले भाले लोग आपके आसपास जिस परिवेश मे आज रह रहे हैं ~~आप~~ उन्हे इनकी वही स्थिति मे बने रहने मे क्षमतानुसार मदद करेंगे।
3. जरावा के मांगने पर भी उन्हे खाने - पीने की कोई वस्तु ~~व~~ या अन्य वस्तु न दें अन्यथा इनमे भिक्षावृत्ति बढ़ सकती है।
4. कोई भी बुरी आदत इन्हे न सिखाएं, हो सके तो किसी प्रकार का बुरा व्यवहार करने पर इन्हे प्रेम से रोकें।